

मेवाड़ विवि ने एमओयू के लिए कंपनियों का सर्वेक्षण किया



गंगारार, 19 दिसम्बर (जसं.)

। मेवाड़ विश्वविद्यालय के तीन सदस्यीय दल ने रतन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड और ओएसए एनवायरो प्राइवेट लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण किया।

इंजीनियरिंग-वोकेशनल एंड ट्रेनिंग कोर्स के डीन एआर यादव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर सुनील कुमार कथेरिया और जीव-विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर रामगोपाल धाकड़ ने आईईडीए (इण्डस्ट्रियल एण्ड आंत्रप्रन्योरशिप डेवलपमेंट एसोसिएशन) के प्रबन्ध निदेशक संजय चौहान के साथ इन कम्पनियों

का दौरा किया। इस तीन सदस्यीय विशेषज्ञ पैनल ने कच्चे माल की हैंडलिंग, पैटर्न मेकिंग सेक्शन, धातु को पिघलाने के लिए फर्नेस, कास्टिंग सेक्शन, फिनिशिंग, पैकिंग और कंपनी की अन्य प्रशासनिक गतिविधियों को समझने के लिए कंपनियों का सर्वेक्षण किया। यात्रा के दौरान विश्वविद्यालय के पैनल ने टरबाइन में उपयोग किए जाने वाले भारी स्टील संरचना की ढलाई की निर्माण प्रक्रियाओं का अवलोकन किया। इस पैनल ने उत्पादन और विपणन के विभिन्न चरणों में समस्याओं तथा चुनौतीपूर्ण मुद्दों की भी पहचान की।

मेवाड़ विश्वविद्यालय चित्तौड़गढ़ ने एमओयू के लिए किया दो कंपनियों का औद्योगिक सर्वेक्षण

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ के तीन सदस्यीय दल ने रतन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड और ओएसए एनवायरो प्राइवेट लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण किया। इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु बेहतर औद्योगिक माहौल प्रदान करना है। इसी उद्देश्य से इंजीनियरिंग-वोकेशनल एंड ट्रेनिंग कोर्स के डॉन ए. आर. यादव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर सुनील कुमार कथोरिया और जीव-विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर रामगोपाल धाकड़ ने आई ई डी ए (इण्डस्ट्रियल एण्ड अंत्रप्रन्योरशिप डेवलपमेंट एसोसिएशन) के प्रबन्ध निदेशक संजय चौहान के साथ इन कंपनियों का दौरा किया। इस तीन सदस्यीय विशेषज्ञ पैनल ने कच्चे माल की



हैंडलिंग, पैटर्न मैकिंग सेक्शन, धातु को पिघलाने के लिए फर्नेस, कास्टिंग सेक्शन, फिनिशिंग, पैकिंग और कंपनी की अन्य प्रशासनिक गतिविधियों को

समझने के लिए कंपनियों का सर्वेक्षण किया। रतन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राम प्रकाश ने कहा कि प्रोफेसरों को उद्योगों

में कुछ समय के लिए काम करना चाहिए ताकि वे उद्योगों की आवश्यकताओं को समझ सकें और छात्रों को उसके अनुसार कुशल बना

सकें। साथ ही पाठ्यक्रमों को भी उसी अनुरूप अपडेट कर सकें। ओएसए पर्यावरण प्राइवेट लिमिटेड अर्थात् प्रबंधन प्रणालियों पर काम कर रहा है और रसोई के कचरे जैसे सतह और प्लास क्लीनर, हैंडवॉश और रूम फेशनर का उपयोग करके जैविक उत्पाद भी बना रहा है। कंपनी के निदेशक ने कहा कि सभी को रसायन मुक्त जीवन जीना चाहिए और वे इसके लिए काम कर रहे हैं। यात्रा के दौरान विश्वविद्यालय के पैनल ने टरबचहन में उपयोग किए जाने वाले भारी स्टील संरचना की डलाई की निर्माण प्रक्रियाओं का अवलोकन किया, और पैनल ने उत्पादन और विपणन के विभिन्न चरणों में समस्याओं और चुनौतीपूर्ण मुद्दों की भी पहचान की। साथ ही उत्पादन बढ़ाने के लिए उपरोक्त मुद्दों को दूर करने के लिए कुछ समाधान प्रदान किए। मेवाड़ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ पैनल ने दोनों कंपनी निदेशकों को विभिन्न मुद्दों से संबंधित सहायता के लिए आभारस दिया।

मेवाड़ विश्वविद्यालय ने एमओयू के लिए किया दो कंपनियों का औद्योगिक सर्वेक्षण

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ के तीन सदस्यीय दल ने रतन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड और ओएसए एनवायरो प्राइवेट लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण किया। इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य इंजिनियरिंग के क्षेत्र में विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु बेहतर औद्योगिक माहौल प्रदान करना है। इसी उद्देश्य से इंजीनियरिंग-वोकेशनल एंड ट्रेनिंग कोर्स के डीन ए. आर. यादव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर सुनील कुमार कथेरिया और जीव-विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर रामगोपाल धाकड़ ने आई ई डी ए (इण्डस्ट्रियल एण्ड आंत्रप्रन्योरशिप डेवलपमेंट एसोसिएशन) के प्रबन्ध निदेशक संजय चौहान के साथ इन कम्पनियों का दौरा किया। इस तीन सदस्यीय विशेषज्ञ पैनल ने कच्चे माल की



हैंडलिंग, पैटर्न मेकिंग सेक्शन, धातु को पिघलाने के लिए फर्नेस, कास्टिंग सेक्शन, फिनिशिंग, पैकिंग और कंपनी की अन्य प्रशासनिक गतिविधियों को समझने के लिए कंपनियों का सर्वेक्षण किया। रतन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राम प्रकाश ने कहा कि प्रोफेसरों को उद्योगों में कुछ समय के लिए काम करना चाहिए ताकि वे उद्योगों की आवश्यकताओं को समझ सकें और छात्रों को उसके अनुसार कुशल बना सकें। साथ ही

पाठ्यक्रमों को भी उसी अनुरूप अपडेट कर सकें। ओएसए पर्यावरण प्राइवेट लिमिटेड अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों पर काम कर रहा है और रसोई के कचरे जैसे सतह और ग्लास क्लीनर, हैंडवॉश और रूम फ्रेशनर का उपयोग करके जैविक उत्पाद भी बना रहा है। कंपनी के निदेशक ने कहा कि सभी को रसायन मुक्त जीवन जीना चाहिए और वे इसके लिए काम कर रहे हैं। यात्रा के दौरान विश्वविद्यालय के पैनल ने टरबाइन में उपयोग किए

जाने वाले भारी स्टील संरचना की ढलाई की निर्माण प्रक्रियाओं का अवलोकन किया, और पैनल ने उत्पादन और विपणन के विभिन्न चरणों में समस्याओं और चुनौतीपूर्ण मुद्दों की भी पहचान की। साथ ही उत्पादन बढ़ाने के लिए उपरोक्त मुद्दों को दूर करने के लिए कुछ समाधान प्रदान किए। मेवाड़ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ पैनल ने दोनों कंपनी निदेशकों को विभिन्न मुद्दों से संबंधित सहायता के लिए आश्वासन दिया।



मेवाड़ विश्वविद्यालय चित्तौड़गढ़ ने एमओयू के लिए किया दो कंपनियों का औद्योगिक सर्वेक्षण

ललकार

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ के तीन सदस्यीय दल ने रतन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड और ओएसए एनवायरो प्राइवेट लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण किया। इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य इन्जिनियरिंग के क्षेत्र में विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु बेहतर औद्योगिक माहौल प्रदान करना है। इसी उद्देश्य से इंजीनियरिंग-वोकेशनल एंड ट्रेनिंग कोर्स के डीन ए. आर. यादव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर सुनील कुमार कथेरिया और जीव-विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर रामगोपाल धाकड़ ने आई ई डी ए (इण्डस्ट्रियल एण्ड आंत्रप्रन्योरशिप डेवलपमेंट एसोसिएशन) के प्रबन्ध निदेशक संजय चौहान के



साथ इन कंपनियों का दौरा किया। इस तीन सदस्यीय विशेषज्ञ पैनल ने कच्चे माल की हैंडलिंग, पैटर्न मेकिंग सेक्शन, धातु को पिघलाने के लिए फर्नेस, कास्टिंग सेक्शन, फिनिशिंग, पैकिंग और कंपनी की अन्य प्रशासनिक गतिविधियों को समझने के लिए कंपनियों का सर्वेक्षण किया।

रतन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राम

प्रकाश ने कहा कि प्रोफेसरों को उद्योगों में कुछ समय के लिए काम करना चाहिए ताकि वे उद्योगों की आवश्यकताओं को समझ सकें और छात्रों को उसके अनुसार कुशल बना सकें। साथ ही पाठ्यक्रमों को भी उसी अनुरूप अपडेट कर सकें। ओएसए पर्यावरण प्राइवेट लिमिटेड अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों पर काम कर रहा है और रसोई के कचरे जैसे सतह

और ग्लास क्लीनर, हैंडवॉश और रूम फ़ेशनर का उपयोग करके जैविक उत्पाद भी बना रहा है। कंपनी के निदेशक ने कहा कि सभी को रसायन मुक्त जीवन जीना चाहिए और वे इसके लिए काम कर रहे हैं। यात्रा के दौरान विश्वविद्यालय के पैनल ने टरबाइन में उपयोग किए जाने वाले भारी स्टील संरचना की दलाई की निर्माण प्रक्रियाओं का अवलोकन किया, और पैनल ने उत्पादन और विपणन के विभिन्न चरणों में समस्याओं और चुनौतीपूर्ण मुद्दों की भी पहचान की। साथ ही उत्पादन बढ़ाने के लिए उपरोक्त मुद्दों को दूर करने के लिए कुछ समाधान प्रदान किए। मेवाड़ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ पैनल ने दोनों कंपनी निदेशकों को विभिन्न मुद्दों से संबंधित सहायता के लिए आश्वासन दिया।

SINCE 1949

ललकार

देश

मेवाड़ विश्वविद्यालय चित्तौड़गढ़ ने एमओयू के लिए किया दो कंपनियों का औद्योगिक सर्वेक्षण

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ के तीन सदस्यीय दल ने रतन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड और ओएसए एनवायरो प्राइवेट लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण किया। इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु बेहतर औद्योगिक माहौल प्रदान करना है। इसी उद्देश्य से इंजीनियरिंग-वोकेशनल एंड ट्रेनिंग कोर्स के डीन ए. आर. यादव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर सुनील कुमार कथेरिया और जीव-विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर रामगोपाल धाकड़ ने



आई ई डी ए (इण्डस्ट्रियल एण्ड आंत्रप्रन्योरशिप डेवलपमेंट एसोसिएशन) के प्रबन्ध निदेशक संजय चौहान के साथ इन कंपनियों का दौरा किया। इस तीन सदस्यीय विशेषज्ञ पैनल ने कच्चे माल की हैंडलिंग, पैटर्न मैकिंग सेक्शन,

धातु को पिघलाने के लिए फर्नेस, कास्टिंग सेक्शन, फिनिशिंग, पैकिंग और कंपनी की अन्य प्रशासनिक गतिविधियों को समझने के लिए कंपनियों का सर्वेक्षण किया। रतन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राम प्रकाश ने कहा कि प्रोफेसरों को उद्योगों में कुछ समय के लिए काम करना चाहिए ताकि वे उद्योगों की आवश्यकताओं को समझ सकें और छात्रों को उसके अनुसार कुशल बना सकें। साथ ही पाठ्यक्रमों को भी उसी अनुरूप अपडेट कर सकें। ओएसए पर्यावरण प्राइवेट लिमिटेड अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों पर काम कर रहा है और रसोई के कचरे जैसे सतह और ग्लास ब्लीनर, हैंडवॉश और रूम फेशनर का उपयोग

करके जैविक उत्पाद भी बना रहा है। कंपनी के निदेशक ने कहा कि सभी को रसायन मुक्त जीवन जीना चाहिए और वे इसके लिए काम कर रहे हैं। यात्रा के दौरान विश्वविद्यालय के पैनल ने टरबाइन में उपयोग किए जाने वाले भारी स्टील संरचना की ढलाई की निर्माण प्रक्रियाओं का अवलोकन किया, और पैनल ने उत्पादन और विपणन के विभिन्न चरणों में समस्याओं और चुनौतीपूर्ण मुद्दों की भी पहचान की। साथ ही उत्पादन बढ़ाने के लिए उपरोक्त मुद्दों को दूर करने के लिए कुछ समाधान प्रदान किए। मेवाड़ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ पैनल ने दोनों कंपनी निदेशकों को विभिन्न मुद्दों से संबंधित सहायता के लिए आश्वासन दिया।

मेवाड़ विश्वविद्यालय चित्तौड़गढ़ ने एमओयू के लिए किया दो कंपनियों का औद्योगिक सर्वेक्षण

■ दास्ताने भीलवाड़ा @ चित्तौड़गढ़

मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ के तीन सदस्यीय दल ने रतन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड और ओएसए एनवायरो प्राइवेट लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण किया। इस औद्योगिक भ्रमण का उद्देश्य इंजिनियरिंग के क्षेत्र में विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु बेहतर औद्योगिक माहौल प्रदान करना है। इसी उद्देश्य से इंजीनियरिंग-वोकेशनल एंड ट्रेनिंग कोर्स के डीन ए. आर. यादव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर सुनील कुमार कथेरिया और जीव-विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर रामगोपाल धाकड़ ने आई ई डी ए (इण्डस्ट्रियल एण्ड आंत्रप्रन्योरशिप डेवलपमेंट एसोसिएशन) के प्रबन्ध निदेशक संजय चैहान के साथ इन कम्पनियों का दौरा किया।

इस तीन सदस्यीय विशेषज्ञ पैनल ने कच्चे माल की हैंडलिंग, पैटर्न मेकिंग सेक्शन, धातु को पिघलाने के लिए फर्नेस, कास्टिंग सेक्शन, फिनिशिंग, पैकिंग और कंपनी की अन्य प्रशासनिक गतिविधियों को समझने के लिए कंपनियों का सर्वेक्षण किया। रतन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राम प्रकाश ने कहा कि प्रोफेसरों को उद्योगों में कुछ समय के लिए काम करना चाहिए ताकि वे उद्योगों की आवश्यकताओं को समझ सकें और छात्रों को उसके अनुसार कुशल बना सकें। साथ ही पाठ्यक्रमों को



भी उसी अनुरूप अपडेट कर सकें। ओएसए पर्यावरण प्राइवेट लिमिटेड अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों पर काम कर रहा है और रसोई के कचरे जैसे सतह और ग्लास क्लीनर, हैंडवॉश और रूम फ्रेशनर का उपयोग करके जैविक उत्पाद भी बना रहा है। कंपनी के निदेशक ने कहा कि सभी को रसायन मुक्त जीवन जीना चाहिए और वे इसके लिए काम कर रहे हैं।

यात्रा के दौरान विश्वविद्यालय के पैनल ने

टरबाइन में उपयोग किए जाने वाले भारी स्टील संरचना की ढलाई की निर्माण प्रक्रियाओं का अवलोकन किया, और पैनल ने उत्पादन और विपणन के विभिन्न चरणों में समस्याओं और चुनौतीपूर्ण मुद्दों की भी पहचान की। साथ ही उत्पादन बढ़ाने के लिए उपरोक्त मुद्दों को दूर करने के लिए कुछ समाधान प्रदान किए। मेवाड़ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ पैनल ने दोनों कंपनी निदेशकों को विभिन्न मुद्दों से संबंधित सहायता के लिए आश्वासन दिया।